बिहार सरकार

पथ निर्माण विभाग

श्री नीतीश कुमार
मुख्यमंत्री

श्री तारकिशोर प्रसाद
उप मुख्यमंत्री

श्रीमति रेणु देवी
उप मुख्यमंत्री

श्री नितिन नवीन
मंत्री, पथ निर्माण विभाग

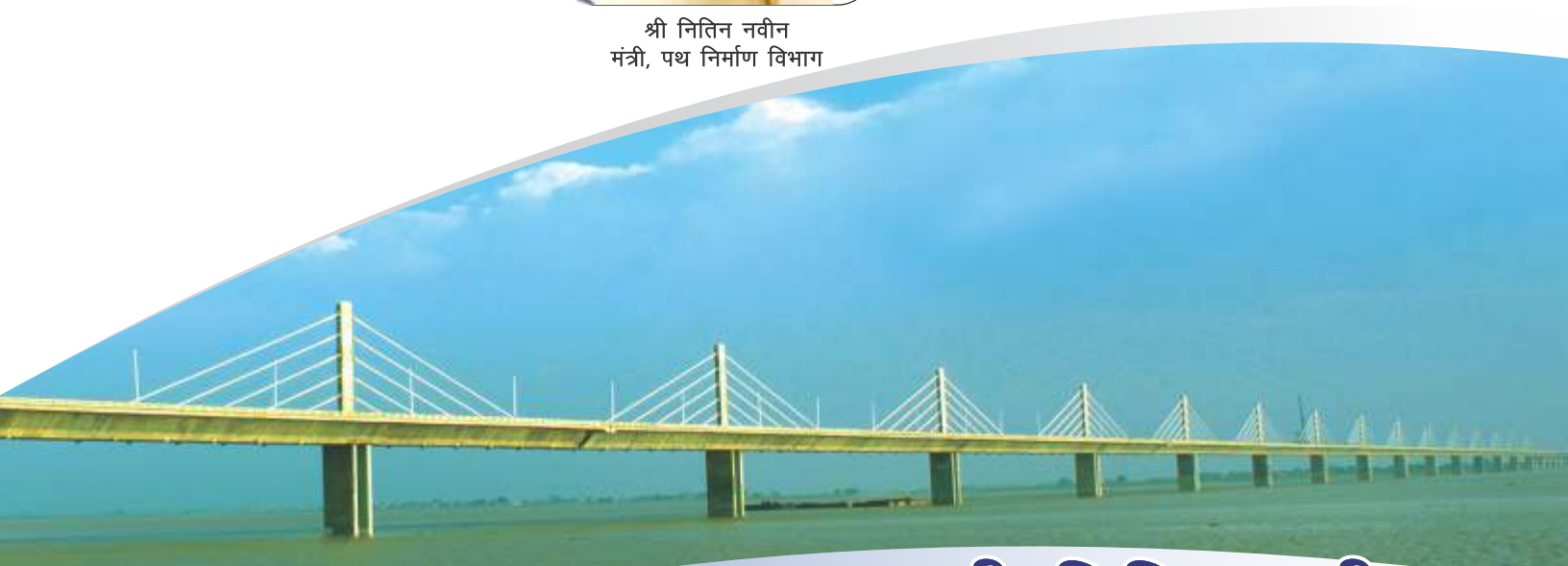

श्री नितिन नवीन

मंत्री, पथ निर्माण विभाग

का

सदन में

बजट भाषण

2022 - 23

पथ निर्माण विभाग के अनुदान माँग पर

श्री नितिन नवीन

माननीय मंत्री (पथ निर्माण विभाग)

का

बजट भाषण वर्ष 2022-23

माननीय अध्यक्ष महोदय,

बिहार राज्य के सर्वांगीण विकास में आधारभूत संरचना की भूमिका अहम रही है। इस क्रम में पथ निर्माण विभाग का योगदान क्रांतिकारी रहा है। सुनियोजित ढंग से सड़कों एवं पुलों के जाल को इस ढ़ंग से बिछाया जा रहा है कि राज्य के दूर अवस्थित इलाकों से पटना पहुँचने में अधिकतम पाँच घंटे का समय लगे। निर्माणाधीन कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु कठोर अनुश्रवण एवं प्रशिक्षण का भी सदैव उपयोग किया जा रहा है। उच्च गुणवत्ता के साथ त्वरित निर्माण के मूल मंत्र के साथ पथ निर्माण विभाग कार्य कर रहा है।

महोदय, अब मैं प्रक्षेत्रवार विभाग का प्रतिवेदन एवं कार्यक्रम सदन के समक्ष रखना चाहूँगा।

1. वृहद जिला पथ

वर्तमान में विभाग के अधीन **15273** कि0मी0 वृहद जिला पथ है, जिसमें **5980** कि0मी0 सिंगल लेन, **6853** कि0मी0 इंटरमीडिएट लेन (5.5 मी0), **2154** कि0मी0 दो लेन तथा **286** कि0मी0 दो से अधिक लेन के हैं। हमारा स्पष्ट लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में सभी सिंगल/इंटरमीडिएट लेन को दो लेन में परिवर्तित किया जाए। राशि की उपलब्धता के आलोक में प्राथमिकता अनुसार विभाग इसको कार्यान्वित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

राज्य के प्रमुख शहरों में Traffic Volume को कम करने एवं सुगम सम्पर्कता प्रदान करने हेतु रिंग रोड निर्माण कार्य अन्तर्गत **गया रिंग रोड, दरभंगा रिंग रोड, भागलपुर रिंग रोड एवं मुजफ्फरपुर रिंग रोड** का निर्माण प्रस्तावित है।

<u>वामपंथ उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र पथ विकास योजना</u> <u>(RCPLWEA)</u>

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा RCPLWEA Phase-I के तहत् राज्य के पाँच जिले औरंगाबाद, गया, बांका, जमुई एवं मुजफ्फरपुर में **64** अद्द पथ पैकेज (कुल लम्बाई 1038 कि0मी) एवं **39** अद्द पुल के पैकेज का निर्माण की स्वीकृति वर्ष 2017 में प्राप्त हुई है, जिसमें से **903** कि0मी0 पथांश एवं 19 पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण है तथा शेष कार्य प्रगति पर है जिसे मार्च 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है।

RCPLWEA Phase-II के तहत् वर्ष 2019–20 (Batch-I) में अतिरिक्त 50 अद्द पथ पैकेजों (कुल लम्बाई–589.66 कि0मी0) एवं 27 अद्द पुल पैकेज की स्वीकृति कुल ₹1034.06 करोड़ की लागत पर प्राप्त है, जिसमें से 283 कि0मी0 पथ का कार्य पूर्ण है तथा शेष कार्य मार्च 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

RCPLWEA Phase-III के तहत् वर्ष 2021–22 (Batch-I) में अतिरिक्त 11 अद्द पथ पैकेज (कुल लम्बाई–**189.20** कि0मी0) एवं 01 अद्द पुल पैकेज (लम्बाई–149.4 मी0) में कुल ₹265.36 **करोड़** की लागत से कार्य प्रगति पर है एवं इसे पूर्ण करने के लिए 18 माह की अवधि निर्धारित की गई है।

RCPLWEA Phase-III के तहत् वर्ष 2021–22 (Batch-II) में 28 अदद पथ एवं 13 अदद पुल ग्रामीण पथ पर अवस्थित होने के कारण इसके त्वरित कार्यान्वयन हेतु ग्रामीण कार्य विभाग से अनुरोध किया गया है।

इण्डो–नेपाल बोर्डर रोड

भारत नेपाल सीमा पर राज्य के सात जिले पड़ते हैं। इन जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों का बहुमुखी विकास सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा इण्डो–नेपाल बोर्डर रोड परियोजना पर काम किया जा रहा है। पश्चिम चम्पारण में मदनपुर से प्रारम्भ होकर पूर्वी चम्पारण के रक्सौल, सीतामढ़ी के बैरगनियाँ, सोनवर्षा होते हुए मधुबनी जिले के जयनगर, सुपौल में बीरपुर, अररिया में सकटी होते हुए किशनगंज के गलगलिया तक पथ बनाया जा रहा है। इस पथ की कुल लम्बाई **729** किलोमीटर है, जिसमें **177** किलोमीटर पूर्व से राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या–104 का हिस्सा है।

शेष **552** किलोमीटर का नया निर्माण किया जा रहा है। इस पथ के निर्माण हेतु राज्य सरकार ने संपूर्ण लंबाई में 30 मीटर चौड़ा भू–अर्जन का कार्य किया है। इस परियोजना में भू–अर्जन एवं पुलों के निर्माण की लागत राज्य सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है एवं सड़क निर्माण की लागत केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है। वर्तमान में **178** कि0मी0 का कार्य पूर्ण है तथा शेष लम्बाई में कार्य विभिन्न चरणों में प्रगति पर है। इस योजना के महत्व को देखते हुए विभाग के स्तर पर लगातार अनुश्रवण की व्यवस्था की गई है, जिसमें विशेष रूप से भू–अर्जन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का लगातार समाधान किया जा रहा है।

महोदय, इस परियोजना को दिसम्बर 2023 तक पूर्ण कराने के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

नाबार्ड

नाबार्ड ऋण सम्पोषित स्वीकृत योजना अन्तर्गत **140** पथों (**2366.80 कि0मी0**) एवं **259 अदद् पुलों** (कुल **13168 करोड़** की लागत) में **252 अदद्** पुल एवं **68** पथों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में कुल **20 पथों** जिसकी लम्बाई **259.43 कि0मी0**

एवं लागत **718.69 करोड़** है तथा कुल **18 अदद्** पुल/पुलिया का निर्माण **103.42 करोड़** की लागत से प्रस्तावित है।

2. राज्य उच्च पथ

महोदय, विभाग के अधीन कुल **3714** कि0मी0 राज्य उच्च पथ के अधीन हैं। इसमें **2541** कि0मी0 दो लेन, **362** कि0मी0 दो लेन से अधिक हैं एवं शेष **811** कि0मी0 दो लेन से कम है जिसे दो लेन मानक संरचना में उन्नयन करने के लिए विभाग कटिबद्ध है।

राज्य उच्च पथों के उन्नयन हेतु एशियन डेवलपमेंट बैंक से प्राप्त ऋण सहायता से कार्य कराया जा रहा है जिसकी शुरूआत 2008–09 में की गई थी। एशियन डेवलपमेंट बैंक सम्पोषित योजनाओं का कार्यान्वयन बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि0 के माध्यम से कराया जा रहा है। इसके अन्तर्गत प्रथम चरण में **824** कि0मी0, द्वितीय चरण में **628** कि0मी0, तृतीय चरण के प्रथम फेज में **231** कि0मी0, अर्थात् कुल **1683** कि0मी0 पूर्ण किया जा चुका है। तृतीय चरण के द्वितीय फेज अन्तर्गत **286** कि0मी0 का कार्य निविदा प्रक्रियाधीन है, जो निम्नवत् हैः–

- राज्य उच्च पथ सं0–98 कटिहार बलरामपुर पथ (लम्बाई–**62.88 कि0मी0**, लागत राशि– **702.59 करोड़**)
- राज्य उच्च पथ सं0–99 बायसी–बहादुरगंज दीघाल बैंक पथ (लम्बाई–**65.35 कि0मी0**, लागत राशि– **602.24 करोड़**)
- राज्य उच्च पथ सं0–85 अमरपुर बाईपास पथ (लम्बाई– **5.35 कि0मी0**, लागत राशि– **47.00 करोड़**)
- राज्य उच्च पथ सं0–95 मानसी–फरगो हाल्ट–सिमरी बख्तियारपुर (लम्बाई–**28.08 कि0मी0**, लागत राशि– **661.65 करोड़**)
- राज्य उच्च पथ सं0–105 बेतिया–नरकटियागंज पथ (लम्बाई– **35.70 कि0मी0**, लागत राशि– **317.25 करोड़**)
- राज्य उच्च पथ सं0–103 मँझवे–गोविन्दपुर पथ (लम्बाई– **56.02 कि0मी0**, लागत राशि– **211.70 करोड़**)
- राज्य उच्च पथ सं0–101 अम्बा–देव–मदनपुर पथ (लम्बाई– **32.47 कि0मी0**, लागत राशि– **184.91 करोड़**)

महोदय, मैं माननीय सदस्यों को अवगत कराना चाहूंगा कि राज्य सरकार राज्य उच्च पथ के निर्माण एवं उन्नयन हेतु सतत् प्रयत्नशील है और इसी कड़ी में एशियन डेवलपमेंट बैंक से चौथे चरण में निर्माण हेतु चयनित परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए लगातार सम्पर्क में हैं।

3. सतत्, सुरक्षित दीर्घकालीन पथ संधारण (OPRMC)

महोदय, पथ संधारण के क्षेत्र में बिहार राज्य में अभिनव प्रयोग किया गया है। जिसके तहत **''बिहार पथ आस्तियाँ दीर्घकालीन संधारण नीति 2013''** बनाई गई है, जिसमें यह प्रावधानित है कि सड़क आस्तियों के दीर्घकालीन संधारण हेतु निविदा प्रक्रिया अपनाई जाएगी। राज्य सरकार द्वारा इस नीति पर अमल करते हुए वर्ष **2013 से 2018** तक कुल **9064** किलोमीटर पथों का **5 वर्षीय** दीर्घकालीन संधारण सफलतापूर्वक किया गया। प्रथम चरण के अनुभवों के आधार पर द्वितीय चरण के लिए सात वर्ष की अवधि के लिए दीर्घकालीन संधारण निविदा अपनायी गई है। अब वर्ष **2019 से 2026** तक की अवधि के लिए राज्य के कुल **13064** किलोमीटर पथों का दीर्घकालीन संधारण कराया जा रहा है। **सभी पथों का मानकों के अनुरूप संधारण सुनिश्चित करने हेतु कमाण्ड एण्ड कंट्रोल रूम की स्थापना की जा रही है।** इस नूतन प्रयोग में सूचना प्रावैधिकी आधारित व्यवस्था निर्धारित की गई है ताकि Real Time रिपोर्ट प्राप्त हो सके। इसके अलावे रोड एम्बुलेंस की गतिविधियों की जानकारी भी ससमय मिलती रहेगी। यह चुनौती पूर्ण कार्य है जिसको सम्पादित करने के लिए अभियंताओं के प्रशिक्षण एवं मोबाईल एप्प की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

4. सात निश्चय पार्ट–2 : सुलभ सम्पर्कता

सात निश्चय पार्ट–2 के अधीन सुशासन कार्यक्रम 2020–25 के **"सुलभ सम्पर्कता"** घटक के रूप में आवश्यकतानुसार बाईपास पथों/एलिवेटेड पथों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। विभाग द्वारा विभिन्न जिलों से आवागमन में लगने वाले समय का विश्लेषण कर बाईपासों की व्यवस्था एवं सघन आबादी वाले क्षेत्रों में एलिवेटेड पथों के निर्माण की योजना प्रस्तावित है। इन बाईपासों की न्यूनतम चौड़ाई 7.00 मीटर होगी। इसके तहत तत्काल महत्वपूर्ण आठ बाईपासों के निर्माण हेतु कुल **143.16 करोड़** रुपये राशि की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, जो निम्नवत् है:–

- अरवल जिला में कुर्था बाईपास (लम्बाई– **2.93 कि0मी0**, लागत राशि–**10.78 करोड़**)
- गोपालगंज जिला में कटेया बाईपास (लम्बाई–**1.24 कि0मी0**, लागत राशि–**5.57 करोड़**)
- वैशाली जिला में रामाशीष चौक से दिघी बाईपास (लम्बाई– **10.10 कि0मी0**, लागत राशि– **24.49 करोड़**)
- गया जिला में शेरघाटी बाजार बाईपास (लम्बाई– **8.05 कि0मी0**, लागत राशि– **23.83 करोड़**)
- नालन्दा जिला में अरौत से कोरनामा (लम्बाई– **7.305 कि0मी0**, लागत राशि– **29.28 करोड़**)

- पटना जिला में एन0एच0–30 से विग्रहपुर होते हुए करबिगहिया कृषि फार्म (लम्बाई–**1.30 कि0मी0**, लागत राशि– **7.12 करोड़**)
- कटिहार जिला में रा0उ0प0–81 से रा0उ0प0–31 तक (लम्बाई– **3.017 कि0मी0**, लागत राशि– **13.35 करोड़**)
- दरभंगा जिला में जरिसो चौक से बिशुनपुर–बेनीपुर भाया बरमाझा पोखर पथ (लम्बाई– **5.55 कि0मी0**, लागत राशि– **28.70 करोड़**)

5. राष्ट्रीय उच्च पथ

बिहार राज्य के अन्तर्गत कुल **5977** कि0मी0 राष्ट्रीय उच्च पथ है, जिसमें **3122** कि0मी0 भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) एवं **2855** कि0मी0 MORTH के अधीन है।

महोदय, बिहार राज्य में **"भारतमाला परियोजना"** फेज–1 (वर्ष) अन्तर्गत **1017** कि0मी0 की लम्बाई में कुल **23** परियोजनाओं का चयन किया गया है। इस पर लगभग **₹23240** करोड़ का व्यय अनुमानित है। इसमें **7 (सात)** परियोजनाओं का कार्य प्रगति में है, जो इस प्रकार है:–

- आरा–मोहनियाँ का 4 लेनिंग कार्य (पैकेज–1) (आरा–पररिया पथांश) (लम्बाई– **54.75 कि0मी0**, लागत राशि– **982.81 करोड़**)
- आरा–मोहनियाँ का 4 लेनिंग कार्य (पैकेज–2) (पररिया–मोहनियां पथांश) (लम्बाई– **60.80 कि0मी0**, लागत राशि **984.63 करोड़**)
- कन्हौली–रामनगर का 6 लेनिंग कार्य (लम्बाई– **39.16 कि0मी0**, लागत राशि– **939.43 करोड़**)
- किशनगंज फ्लाईओवर (लम्बाई– **3.18 कि0मी0**, लागत राशि– **166.30 करोड़**)
- गलगलिया–बहादुरगंज का 4 लेनिंग कार्य (लम्बाई– **49.00 कि0मी0**, लागत राशि– **842.09 करोड़**)
- बहादुरगंज–अररिया का 4 लेनिंग कार्य (लम्बाई– **44.99 कि0मी0**, लागत राशि–**859.62 करोड़**)
- फारबिसगंज–जोगवनी का 4 लेनिंग कार्य (लम्बाई– **9.26 कि0मी0**, लागत राशि– **312 करोड़**)

5 (पाँच) परियोजनाओं में संवेदक का चयन किया जा चुका है, जो निम्नवत् है:–

- गोपालगंज फ्लाई ओवर (लागत राशि– **184.90 करोड़**)

- एन0एच0 28 पर डुमरियाघाट का गंडक पुल (लागत राशि– **210.05 करोड़**)
- आमस–दरभंगा 4 लेनिंग पैकेज–1(आमस–शिवरामपुर)(लम्बाई– **55.00 कि0मी0**, लागत राशि– **1390.92 करोड़**)
- आमस–दरभंगा 4 लेनिंग पैकेज–2 (शिवरामपुर–रामनगर) (लम्बाई–**54.298 कि0मी0**, लागत राशि– **1494.31 करोड़**)
- एन0एच0 2 के औरंगाबाद–चोरदाहा पथांश का 6 लेनिंग कार्य (लम्बाई–**69.52 कि0मी0**, लागत राशि– **2018.20 करोड़**)

3 (तीन) परियोजनाओं की निविदा प्रक्रियाधीन है, जो निम्नवत् हैः–

- बेगुसराय शहर में एलिवेटेड फ्लाई ओवर का निर्माण (लम्बाई– **4.255 कि0मी0**, लागत राशि– **491.04 करोड़**)
- आमस–दरभंगा 4 लेनिंग पैकेज–3 (कल्याणपुर–ताल दशहरा) (लम्बाई– **45 कि0मी0**, लागत राशि– **1857.78 करोड़**)
- आमस–दरभंगा 4 लेनिंग पैकेज–4 (ताल दशहरा–बेला नवादा) (लम्बाई– **44 कि0मी0**, लागत राशि– **2185.75 करोड़**)

भारतमाला परियोजना फेज–। के अंतर्गत शेष **8 (आठ)** परियोजनाओं का DPR गठन की कार्रवाई चल रही है।

भारतमाला परियोजना फेज–2 में राज्य के **5 (पाँच)** महत्वपूर्ण योजनाओं जिसकी कुल लम्बाई **1275** कि0मी0 है, पर सैद्धांतिक सहमति प्राप्त हुई है। इन योजनाओं में **वाराणसी–कोलकता एक्सप्रेस वे, गोरखपुर–सिलीगुड़ी एक्सप्रेस वे, रक्सौल–पटना–हल्दिया एक्सप्रेस वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का पटना तक** विस्तारीकरण एवं **पटना–पूर्णिया एक्सप्रेस वे** शामिल है। इनकी कुल आकलित राशि **लगभग ₹60270** करोड़ है।

महोदय, इसके अतिरिक्त अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की विवरणी माननीय सदस्यों के अवलोकनार्थ प्रस्तुत की जा रही हैः–

- पटना रिंग रोड के मार्गरेखन पर गंगा नदी पर शेरपुर–दीघवारा के बीच सेतु के निर्माण हेतु भू–अर्जन हेतु राज्य सरकार द्वारा **₹316.71** करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना पर लगभग **₹5400** करोड़ रूपये का व्यय अनुमानित है।
- औंटा–सिमरिया के बीच गंगा नदी पर राजेन्द्र सेतु के समानान्तर नये 6–लेन सेतु का निर्माण कार्य **1161 करोड़** की लागत से प्रगति में है। इस कार्य को अक्टूबर 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

- राष्ट्रीय उच्च पथ सं0– 83 (पटना–गया–डोभी पथ) के 127 कि0मी0 लम्बाई में 4–लेन सड़क निर्माण का कार्य प्रगति में है, जिसपर लगभग **₹5519 करोड़** का व्यय अनुमानित है। इस पथ को दिसम्बर 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

- **महोदय,** पटना और हाजीपुर के बीच गंगा नदी पर महात्मा गाँधी सेतु के समानान्तर 4–लेन पुल निर्माण का **₹2926.42** करोड़ की लागत से प्रगति में है जिसे सितम्बर 2024 में पूर्ण करने का लक्ष्य है। महात्मा गाँधी सेतु का जीर्णोद्धार कार्य अन्तिम चरण में है। इस कार्य को मई 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

- **महोदय,** रजौली–बख्तियारपुर पथ के 4–लेन चौड़ीकरण का कार्य **3375 करोड़** की लागत से प्रारम्भ है। इसे **जून 2024** तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

राज्य सरकार के सतत् प्रयास एवं भारत सरकार के सहयोग से गंगा नदी के दक्षिण किनारे बक्सर से लेकर मिर्जाचौकी (झारखण्ड बॉर्डर) तक 4–लेन पथ का निर्माण विभिन्न चरणों में है। इसमें **बक्सर–पटना 4–लेन** पथ चौड़ीकरण की योजना पर काम चल रहा है। **पटना से बख्तियारपुर 4–लेन** पथ पूर्व से निर्मित है। **बख्तियारपुर से मोकामा** तक 4–लेन का कार्य **1408 करोड़** की लागत से कार्य प्रगति में है। इसे दिसम्बर 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

मुँगेर से भागलपुर होकर मिर्जा चौकी 4–लेन पथ के निर्माण हेतु 4 पैकेजों में निविदा आमंत्रित कर कार्य आवंटित किया जा चुका है। इस पर **4629 करोड़** रुपये का व्यय अनुमानित है। इस कार्य को मार्च 2024 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

रामजानकी मार्ग हेतु बिहार राज्य अन्तर्गत उत्तर प्रदेश सीमा (मेहरौना) से सिवान होते हुए **मशरख–सत्तरघाट–चकिया पथ** के 4–लेन कार्य का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है एवं भूमि–अधिग्रहण की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही **चकिया–शिवहर–सीतामढ़ी–भिठ्ठामोड़** (Indo-Nepal Border) तक के पथांश को भी 4 लेन बनाने का प्रस्ताव है।

महोदय, धार्मिक एवं पर्यटन महत्व के प्रमुख स्थान उच्चैठ भगवती स्थान से महिषी तारापीठ को धार्मिक गलियारा के रूप में घोषित किया गया है, जिसके निर्माण की कार्रवाई की जा रही है। इसके 1 पैकेज के रूप में चिन्हित **भेजा–बकौर के बीच कोशी नदी पर 10.2 कि0मी0 लम्बे पुल का निर्माण कार्य प्रगति में है, जो कि देश का सबसे लम्बा नदी पुल होगा।** इसके 1 पैकेज के कार्य के लिए निविदा आमंत्रित की जा चुकी है एवं भू–अर्जन की कार्रवाई तेजी से चल रही है।

छपरा से हाजीपुर **NH-19 का 4–लेन** चौड़ीकरण के अवरूद्ध कार्य को प्रारंभ करने के लिए राज्य सरकार सतत् प्रयत्नशील है। NHAI के द्वारा OTFI स्वीकृत करने की कार्रवाई विचाराधीन है। MORTH द्वारा क्रियान्वित किये जा रहे राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या–**106, 104 एवं 82** में आ रही सारी बाधाओं को राज्य सरकार द्वारा दूर कर दिया गया है इसे पूर्ण करने हेतु सरकार द्वारा MORTH को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

WELCOMES YOU ON ASAL PATH

6. पुल प्रक्षेत्र

महोदय, विगत वर्षों में इस दिशा में उत्साहवर्धक कार्य किये गये हैं। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के द्वारा महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है तथा बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि0 के द्वारा कच्ची दरगाह से बिदुपुर के बीच 6–लेन पुल का निर्माण कराया जा रहा है। विश्वास के सेतु के सिद्धान्त पर हमलोगों ने इस प्रक्षेत्र में चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं का निर्माण किया है।

बिहार की भौगोलिक स्थिति इस तरह से है कि सबसे बड़ी नदी गंगा बिहार के पश्चिमी सीमा (बक्सर) से प्रवेश करते हुए पूर्वी सीमा (साहेबगंज) को पार करते हुए बिहार को दो भागों में विभक्त करती है। उत्तर में हिमालय से निकलने वाली सारी नदियाँ गंगा नदी में विभिन्न स्थानों पर मिलती है। इसको दृष्टिगत कर राजधानी पटना पहुँचने के 5 (पाँच) घंटे के लक्ष्य को पूरा करने के लिए पिछले 17 वर्षों में राज्य सरकार द्वारा राज्य की प्रमुख नदियों पर पुलों का जाल बिछाने का कार्य किया गया है जिससे आवागमन काफी सुगम हुआ है। वर्ष 2005 से अब तक कुल **6000** से अधिक पुलों का निर्माण किया जा चुका है, जिसमें **5000** से अधिक पुलों का निर्माण मुख्यमंत्री सेतु निर्माण योजना अन्तर्गत एवं शेष वृहद एवं लघु पुलों का निर्माण (गंगा/कोशी/गंडक एवं सोन नदी पर **12** मेगा पुलों का निर्माण) राज्य सरकार द्वारा सफलतापूर्वक किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में गंगा नदी पर कुल **3** (तीन) मेगा पुलों का निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसे आगामी दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है। ये है :– सुलतानगंज – अगुवानी घाट (**1710.77** करोड़) पूर्ण करने का लक्ष्य **दिसम्बर 2022**, कच्ची दरगाह – बिदुपुर (**4988.40 करोड़**) पूर्ण करने का लक्ष्य **दिसम्बर 2023** एवं बख्तियारपुर–ताजपुर (**2875.20 करोड़**) पूर्ण करने का लक्ष्य **जून 2024** निर्धारित है।

इसी प्रकार **कोशी नदी पर मानसी–सहरसा** के बीच राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत पुल की निविदा प्रक्रियाधीन है।

वर्ष 2020 में आयी अप्रत्याशित बाढ़ के कारण उत्पन्न स्थिति के आलोक में सरकार के द्वारा अधिक Water discharge को प्रावधानित करते हुए निर्मित **सत्तरघाट पुल** में अतिरिक्त **1000** मीटर लम्बाई में वाटर–वे का प्रावधान करते हुए **178-00 करोड़** रुपये की लागत से पहुँच पथ में कार्य कराया जा रहा है।

सोन नदी पर रोहतास जिला में पाण्डुका के पास बिहार–झारखण्ड की सीमा पर केन्द्रीय सड़क निधि योजनान्तर्गत **205 करोड़** की लागत से पुल की निविदा प्रक्रियाधीन है।

खगड़िया एवं मुंगेर के बीच गंगा नदी पर **मुंगेर–रेल–सह–सड़क पुल (श्रीकृष्ण सेतु)** का मुंगेर साईड के सम्पर्क पथ में राज्य सरकार के सकारात्मक पहल एवं राज्य कोष से **58 करोड़** राशि भुगतान कर स्थानीय बाधाओं को दूर कर काफी लम्बे समय से लंबित परियोजना को पूर्ण

कराकर दिनांक 11-02-22 को लोकार्पित किया गया है। यातायात दबाव एवं भौगोलिक क्षेत्र को देखते हुए इसे उत्क्रमित करते हुए 4–लेन के निर्माण हेतु भारत सरकार को अनुशंसा भेजी गई है।

राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या–80 के घोरघट स्थित मणि नदी पर **आर0सी0सी0 पुल एवं पहुँच पथ (9.75 करोड़ रुपये)** का निर्माण कार्य एक दशक से लम्बित था तथा इस मार्ग पर भारी वाहनों का आवागमन बाधित था। इस पुल की महत्ता को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा अवशेष कार्य को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लि0 के माध्यम से युद्धस्तर पर रिकॉर्ड समय में पूर्ण कर दिनांक 11-02-22 को लोकार्पित कर दिया गया है।

महोदय, पुलों के विकास में केन्द्र सरकार से भी काफी सहयोग मिल रहा है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा गंगा नदी पर 4 पुलों (बक्सर में अतिरिक्त 2 लेन पुल, गाँधी सेतु के समानान्तर 4 लेन पुल, राजेन्द्र सेतु के समानान्तर 6 लेन पुल एवं मनिहारी–साहेबगंज के बीच 4 लेन पुल) के निर्माण कार्य चल रहा है एवं इसके अतिरिक्त 3 पुलों (जे0पी0 सेतु के समानान्तर दीघा–सोनपुर 6 लेन पुल, पटना रिंग रोड अन्तर्गत दिघवारा–शेरपुर के बीच 6 लेन पुल एवं विक्रमशीला सेतु के समानान्तर 4 लेन पुल) के निर्माण कार्य स्वीकृति/प्रारंभ की प्रक्रिया में है। कोशी नदी पर भी केन्द्र सरकार द्वारा पूर्व निर्मित कोशी महासेतु के अतिरिक्त 2 पुलों (फुलौतघाट एवं भेजा–बकौर) का निर्माण कार्य प्रगति में है तथा सोन नदी पर केन्द्र सरकार द्वारा 6 लेन कोईलवर पुल का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होने पर है।

इस प्रकार राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सहयोग से प्रदेश के सभी प्रमुख नदियों पर पुलों के जाल बिछाने का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। इन सभी पुलों के निर्माणोपरान्त बिहार के किसी भी कोने से दूसरे कोने तक जाने हेतु सुलभ सम्पर्कता प्रदान होगी जो राज्य के तीव्र विकास में मददगार साबित होगा। इससे राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा एवं गति मिलेगी।

पुल–पुलिया अनुरक्षण नीति

महोदय, व्यापक पैमाने पर निर्मित एवं निर्माणाधीन पुलों के अनुरक्षण हेतु सरकार प्रयासरत है। राज्य में सड़कों के विकास में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है जिसके फलस्वरूप अनेकों पुल–पुलियों का भी निर्माण किया गया है। सभी अवगत है कि विगत 17 वर्षों में सड़कों की लम्बाई के साथ–साथ छोटे पुल–पुलिया सहित गंगा एवं अन्य महत्वपूर्ण नदियों पर कई मेगा पुल का निर्माण हुआ है। अनुरक्षण के अभाव में कई पुल–पुलिया अपने निरूपित जीवन काल से पहले क्षतिग्रस्त हो जाते है जिसके पुनर्स्थापन में अत्याधिक वित्तीय भार पड़ता है। वर्तमान में विभाग में 14 मेगा पुलों के साथ कुल पुलों की संख्या 3267 है।

इसलिए पथों के अनुरक्षण नीति के अनुरूप पुलों के लिए भी अनुरक्षण नीति की आवश्यकता है। इसके तहत् अत्याधुनिक सूचना प्रावैधिकी आधारित योजना पर कार्य किया जा रहा है जिससे पुलों का Health Card तैयार कर आवश्यकतानुसार अनुरक्षण कार्य किया जाएगा। नई पुल अनुरक्षण नीति को तैयार करने हेतु कार्रवाई अंतिम चरण में है।

7. सड़क उपरि पुल (ROB)

महोदय, पथ निर्माण विभाग के पथों पर अवस्थित Level Crossing पर रेलवे तथा राज्य सरकार के बीच में 50–50 प्रतिशत सहभागिता (Cost Sharing) के आधार पर ROB (Railway portion एवं Approach portion सहित) के निर्माण हेतु पथ निर्माण विभाग एवं रेलवे के बीच दिनांक–07 मई 2019 को MOU (Memorandum of Understanding) हस्ताक्षरित हुआ। MOU हस्ताक्षरित होने के बाद राज्य में 57 स्थानों पर ROB के निर्माण कार्य बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड एवं बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। इस क्रम में इन स्थलों के लिए रेलवे से Concept Plan एवं General Arrangement Drawing (GAD) अनुमोदन तथा DPR तैयार करने का कार्य प्रगति में है। वर्त्तमान में रेलवे द्वारा 37 ROB हेतु GAD एवं एक ROB का DPR अनुमोदित कर दिया गया है। 17 अद्द DPR पर रेलवे से अनुमोदन प्रक्रियाधीन है।

ROB की कुल 11 वैसी योजनाएँ जिनमें रेलवे अंश का कार्य रेलवे द्वारा तथा पहुँच पथ कार्य राज्य सरकार द्वारा किया जाना है की स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा चुकी है, वे हैं:– भागलपुर में नवगछिया–कटरिया के बीच, बक्सर में चौसा–गम्हर एवं बक्सर–बरूणा के बीच, पटना में कुल्हड़िया–जमनिया, सासाराम में करबंदिया–मुगलसराय, पूर्वी चम्पारण में जीवधारा–बापूधाम, सीतामढ़ी में परसौनी–सीतामढ़ी, औरंगाबाद में रफीगंज, गया में गुरारू एवं कैमुर जिला में पुसौली–मुठानी के बीच है जिसकी कुल राशि **₹785.05 करोड़** है, जिसमें राज्य सरकार द्वारा **₹463.22 करोड़** वहन किया जाएगा। उक्त 11 योजना के अतिरिक्त सहरसा शहर में ROB निर्माण कार्य (**₹104.76 करोड़**) राज्य सरकार के निधि से किया जा रहा है।

8. अन्य महत्वपूर्ण आधारभूत ढाँचे का विकास

- मीठापुर से रामगोविन्द सिंह महुली हॉल्ट तक पथ का निर्माण – राज्य योजना मद से मीठापुर से रामगोविन्द सिंह महुली हॉल्ट तक 8.86 कि0मी0 लंबे 4–लेन एलीभेटेड/एटग्रेड पथ का निर्माण कार्य **1030.586 करोड़ रू0** की लागत से प्रारंभ हो गया है। इस पथ के बन जाने से पटना के दक्षिण भाग से राजधानी आने जाने में ट्रैफिक सिग्नल मुक्त संपर्कता स्थापित होगी। द्वितीय चरण में मीठापुर से सिपारा तक एन0एच0–30 के उपर 4–लेन एवं इसका विस्तार महुली से पुनपुन तक करने का प्रस्ताव है।

- दीघा से दीदारगंज तक (जे0 पी0 गंगा पथ) पथ का निर्माण कार्य –पटना शहर में गंगा नदी के किनारे दीघा से दीदारगंज तक 4–लेन जे0 पी0 गंगा पथ निर्माण कार्य रू0 **3390.00 करोड़** की लागत से प्रगति पर है।

  गंगा पथ से PMCH को Exclusive Connectivity प्रदान करने हेतु भी 4-Lane Elevated Road के निर्माण कार्य प्रगति पर है।

इन परियोजनाओं को फरवरी, 2024 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

- अटल पथ (फेज–1), लंबाई–6.3 कि0मी0 का 4/6–लेन पथ सर्विस लेन सहित, फ्लाई ओभर निर्माण, ड्रेन निर्माण, फुटपाथ निर्माण, मेडियन कार्य का निर्माण **379.57 करोड़** रूपए की लागत से पूर्ण एवं लोकार्पित कर दिया गया है।

- अटल पथ फेज–2 (दीघा से जे0 पी0 गंगा पथ) 4–लेन सड़क निर्माण का कार्य **69.56 करोड़** रू0 के लागत से प्रगति में है। इसे मई 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। इस पथ के बन जाने से अटल पथ, जे0पी0 गंगा पथ, पाटलि पथ आदि आपस में जुड़ जायेंगे और पटना के यातायात व्यवस्था में आमूलचूल सुधार होगा।

- राज्य में जन निजी भागीदारी के अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ सं0 31 प्रस्तावित बाईपास में करजान गांव से राष्ट्रीय उच्च पथ सं0 28 में ताजपुर को जोड़नेवाली गंगा नदी पर **5.55 कि0मी0** लम्बाई का 4–लेन पुल एवं **45.393 कि0मी0** 4–लेन पहुँच पथ का अवरूद्ध निर्माण को पुनः प्रारंभ करने की कार्रवाई अंतिम चरण में है। राज्य सरकार द्वारा सार्थक पहल करते हुए संवेदक को One Time Fund Infusion (OTFI) अन्तर्गत रुपये **935** करोड़ का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। कार्य को 2.5 वर्ष में पूर्ण करने का लक्ष्य है।

9. प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध

पथ एवं पुल योजनाओं के निर्माण में सतत् गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु पथ निर्माण विभाग में प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान कार्यरत है जिसका मूल उद्देश्य विभाग अन्तर्गत चल रही योजनाओं में उच्च गुणवत्ता स्थापित करना एवं अभियंताओं को आधुनिकतम तकनीक का प्रशिक्षण प्रदान करना है। राज्य प्रशिक्षण नीति के तहत कनीय अभियंताओं से मुख्य अभियंताओं स्तर तक के पदाधिकारियों का नियमित प्रशिक्षण यथा– Induction Course, Orientation Course एवं Refresher Course का आयोजन Walmi Patna में किया जाता है। साथ ही देश के प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थानों यथा–CRRI-New Delhi, ASCI- हैदराबाद, IAHE-Noida, NICMAR-Pune एवं IIT जैसे संस्थानों में लगातार कई वर्षों से विभाग के अभियंताओं को प्रशिक्षण हेतु भेजा जा रहा है। Webinar के माध्यम से भी अभियंताओं का ज्ञान संवर्द्धन कराया जा रहा है।

पथ निर्माण विभाग में नव नियुक्त 248 सहायक अभियंताओं को TTRI एवं BRRI द्वारा संयुक्त रूप से चार दिनों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम (Orientation Programme) के माध्यम से विभागीय कार्यों से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के कोड/निविदा/गुण नियंत्रण आदि के साथ ही विभिन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं से अवगत कराया गया। सभी अभियंताओं को कार्य शैली से अवगत कराने हेतु दो दिवसीय स्थल भ्रमण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

निदेशक, TTRI के अधीन मुख्यालय में आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक राज्य

स्तरीय गुण नियंत्रण जाँच प्रयोगशाला स्थापित है, जिसमें जाँच एवं शोध की सुविधा उपलब्ध है। इस गुणवत्ता प्रबंधन के अतिरिक्त गुणवत्ता क्रियान्वयन से संबंधित प्रमंडल एवं अंचल स्तर पर गुण नियंत्रण इकाई भी कार्यरत है।

एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से मोकामा में बिहार सड़क अनुसंधान संस्थान का निर्माण प्रस्तावित है। इस हेतु केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान परिषद, दिल्ली एवं बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि0 के बीच MOU हस्ताक्षरित किया गया है। इस संस्थान के निर्माण हेतु परामर्शी का चयन किया जा चुका है।

10. वित्तीय वर्ष 2022–23 हेतु नई परियोजनाओं की घोषणा

महोदय, मुझे यह बताते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि राज्य के निम्नलिखित चयनित राज्य उच्च पथों को एशियन डेवलपमेंट बैंक के वित्त पोषण से पथों का चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य प्रस्तावित है :–

(i) सुपौल एवं अररिया जिलान्तर्गत

एस॰एच॰–92 गणपतगंज से परवा पथ, (लम्बाई– 53 कि॰मी॰)

(ii) छपरा एवं सिवान जिलान्तर्गत

मांझी–दरौली गुठनी पथ, (लम्बाई– 71.6 कि॰मी॰)

(iii) बक्सर जिलान्तर्गत

ब्रह्मपुर– कुरानसराय– इटाढ़ी –सरंजा जालीपुर पथ (इठाढ़ी बक्सर सम्पर्क मार्ग एवं उजियारपुर इन्दौर सम्पर्क मार्ग सहित) (लम्बाई– 81 कि॰मी॰)

(iv) नवादा एवं गया जिलान्तर्गत

वनगंगा (एन॰एच॰–82)–जेठियन–गहलोर–भिण्डस (एन॰एच॰–82) पथ, (लम्बाई– 41.6 कि॰मी॰)

(v) भोजपुर जिलान्तर्गत

आरा–एकौना–खैरा सहार पथ, (लम्बाई– 32.3 कि॰मी॰)

(vi) मधुबनी जिलान्तर्गत

मधुबनी–राजनगर–बाबूबरही–खुटौना पथ, (लम्बाई– 41.1 कि॰मी॰)

(vii) सीतामढ़ी एवं मधुबनी जिलान्तर्गत

सीतामढी–पुपरी–बेनीपट्टी पथ, (लम्बाई– 51.35 कि॰मी॰)

(viii) <u>बांका एवं भागलपुर जिलान्तर्गत</u>

धोरैया – इंगलिश मोड़ – असरगंज पथ (लम्बाई– 58 कि॰मी॰)

(ix) <u>मुजफ्फरपुर जिला अन्तर्गत</u>

हथौड़ी–आथर–बभनगामा–औराई पथ में आथर–बभनगाँवा के बीच बागमती नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुँच पथ का निर्माण

महोदय, इसके अलावे :–

(i) मंदिरी नाला पथ से जे0पी0 गंगा पथ सड़क का निर्माण।

(ii) पटना जिला अन्तर्गत एन0एच0–83 पर अवस्थित नथुपुर से एम्स पटना ग्रीनफिल्ड परियोजना का कार्य। इस महत्वपूर्ण परियोजना के निर्माण से गया, जहानाबाद की तरफ से आनेवाले लोगों को एम्स पटना पहुँचने में सहुलियत होगी।

(iii) सैदपुर नाला के उपर सड़क निर्माण हेतु तकनीकी सम्भाव्यता का अध्ययन किया जा रहा है।

(iv) बिहार राज्य पुल निर्माण निगम मुख्यालय परिसर में सेतु भवन एवं बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि0 के मुख्यालय परिसर में प्रशासनिक भवन का निर्माण कराया जाएगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय,

आपकी अनुमति से अब मैं वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए अनुदान माँग संख्या–41 के अधीन पथ निर्माण विभाग का **58 अरब 19 करोड़ 02 लाख 50 हजार रूपये** का अनुदान माँग स्वीकृति हेतु सदन के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

धन्यवाद

बिहार सरकार

पथ निर्माण विभाग

विकास के पथ पर बिहार
लोकार्पण
श्री नितिन गडकरी

पथ निर्माण विभाग

'उच्च गुणवत्ता..... त्वरित निर्माण''